



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 16, 1985/अश्विन 24, 1907

No. 25]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 16, 1985/ASVINA 24, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके ।

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रज ) का कार्यालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1)  
के अधीन मूचना,

जालन्धर, 8 अक्टूबर 1985

निदेश न०/ए०पी.न. 5867-5868.— यत मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रुपये से अधिक है और जिसका स० जैसा अनुसूची में लिखा है . . . है तथा जो डोडावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तररितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्थियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री मणंदर लाल पुत्र मन्सागम पुत्र जय राम बासी-गांव डोंडा-वाली, तहसील मुक्तसर जिला फरीदकोट (बि०नि० 2203) श्री सक्न्दर लाल पुत्र मनसा राम पुत्र जयराम, बासी गांव डोंडा वाली, तहसील-मुक्तसर जिला फरीदकोट (बि०नि० 2204)

2. श्री विश्रम सिंह पुत्र कुलदीप सिंह और जमशेर कौर विधवा नगिन्द्रसिंह, तामो-छोंडावाली, तहसील मुक्तसर जिला-फरीदकोट (वि० नं० 2203 और 2204)

\*3. श्री/श्रीमती कुमारी जैमा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. श्री/श्रीमती/कुमारी जा व्यक्ति सम्पत्ति खूबी रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सदार है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों पर, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, गही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

तारीख 8-10-1985

मोहर

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

(Income-Tax, Acquisition Range)

Notice under Section 269D (1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Jalandhar, the 8th October, 1985

Ref. No. A/P. No. 5867-5868.—Whereas, I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. as per schedule situated at Dodawali (1 Lac) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on January, 1985 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mashandar Lal S/o. Mansa Ram S/o. Jai Ram R/o Village Dodawali Teh. Muktsar Distt. Faridkot, (R.D. No. 2203)

Sh. Sakander Lal S/o. Mansa Ram S/o. Jai Ram R/o. Vill. Dodawali, Teh. Muktsar Distt. Faridkot. (R.D. No. 2204).

(Transferor)

(2) Shri Bikram Singh, S/o. Kuldip Singh and Jasmer Kaur wd/o Naginder Singh R/o. V. Dodawali, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot. (R.D. No. 2203 and 2204).

(Transferee)

\*(3) Shri/Shrimati/Kumari as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

\*(4) Shri/Shrimati/Kumari any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2203 and 2204 of dated January, 1985 of the registering authority, Muktsar.

Date : 8-10-1985.

SEAL :

निर्देश नं०/ए०पी०न० 5869-5370:—यन:मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रुपये से अधिक है और जिसको स० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो डोडावाली में स्थित है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 श्री मनमा राम पुत्र जय राम पुत्र गुलाबा राम, बामी गांव डोडावाली तहसील मुक्तसर जिला फरीदकोट (वि० न० 2205)

श्री लक्ष्मण राम पुत्र किरपा राम पुत्र जसू राम, बामी गांव डोडावाली तहसील मुक्तसर जिला-फरीदकोट। (वि० न० 2206) (अन्तरक)

2. श्री विक्रम सिंह पुत्र कुलवीर सिंह और श्रीमती जममीर कौर विधवा नगिन्द्र सिंह बामी गांव डोडावाली, तहसील मुक्तसर जिला फरीदकोट (वि० न० 2205 और 2206) (अन्तरितों)

\*3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैमा कि उपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4 श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति रूची रखता है (वह जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30

दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया गया व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पक्ष निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, मत्तः अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि

विलेख नं० 2205, 2206 दिनांक जनवरी 85;

को रजिस्ट्रार अधिकारी, मुक्तसर

ने निराह है।

तारीख

मोहर

\* (जो लागू न हो उसे काट दें।) जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी [महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज]

Ref. No. A.P. No. 5869-5870.—Whereas, I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 (1 Lac) and bearing No. as per schedule situated at Dodawali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on January, 1985 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mansa Ram, S/o. Jai Ram, S/o. Gulaba Ram R/o. Vill. Dodawali, Teh. Muktsar, Distt. Fardikot. (R.D. No. 2205)
- Sh. Lachhman Ram, S/o. Kirpa Ram, S/o. Jasu Ram, R/o. Vill. Dodawali, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot. (R. D. No. 2206).

(Transferor)

(2) Shri|Shrimati Bikram Singh, S|o. Kuldip Singh and Jasmer Kaur, Wd|o. Naginder Singh, R|o. Vill. Dodawali, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot. (R.D. No. 2205 and 2206).  
(Transferee)

\*(3) Shri|Shrimati|Kumari as S. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Shri|Shrimati|Kumari any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2205 and 2206 of dated January, 1985 of the Registering Authority, Muktsar.

Date : 8-10-1985.

SEAL :

Strike off where not applicable.

J. L. GIRDHAR,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, (Acquisition Range)